

9

What Happened to the Reptiles

Supplementary

(English to Hindi Translation)

- Pambupatti is a peaceful village, inhabited by a variety of people.
- Prem, the narrator of the story, flees his village under unfortunate conditions to reach Pambupatti by chance.
- An old resident of the village looks after him and tells him an interesting story.
- पाम्बुपट्टी एक शांतिपूर्ण गांव है, जिसमें विभिन्न प्रकार के लोग रहते हैं।
- कहानी का कथावाचक, प्रेम, दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में अपने गांव से भाग जाता है और संयोगवश पाम्बुपट्टी पहुंच जाता है।
- गांव का एक बूढ़ा निवासी उसकी देखभाल करता है और उसे एक दिलचस्प कहानी बताता है।

YOU may not believe this story. But I can tell you it is true, because I have been to Pambupatti, a village on the edge of the jungle. It is on a cliff, and the vast forest stretches below like a mossy green carpet. There are many kinds of people in the village — dark, fair, tall, short. They speak many languages. Some eat meat, some don't. Some pray in a small temple at the edge of the forest. Others pray in a mosque some miles away.

शायद आप इस कहानी पर विश्वास नहीं करें। लेकिन मैं आपको बता सकता हूँ कि यह सच है, क्योंकि मैं पाम्बुपट्टी गया हूँ, जो जंगल के किनारे पर एक गांव है। यह एक चट्टान पर है, और नीचे फैला विशाल जंगल एक हरी काई वाले कालीन की तरह है। वहां गांव में कई प्रकार के लोग हैं—काले, गोरे, लंबे, छोटे। वे कई भाषाएं बोलते हैं। कुछ मांस खाते हैं, कुछ नहीं। कुछ जंगल के किनारे पर एक छोटे से मंदिर में प्रार्थना करते हैं। दूसरे कुछ मील दूर एक मस्जिद में प्रार्थना करते हैं।

My name is Prem and I live many hundred miles away from Pambupatti. I had heard about the village, but I'd never been there. Then last year, something terrible happened. The people of my own village went mad. Far, far away in a place they have never even been to, a temple or mosque had been burnt down, and they went mad. They started fighting with one another. Some had to run away in the middle of the night. And at three in the morning, as I lay in my house, half awake to the sounds of hate and violence, there was a fire. Many houses were burnt down in the fire. One of them was mine.

मेरा नाम प्रेम है और मैं पाम्बुपट्टी से कई सौ मील दूर रहता हूँ। मैंने गांव के बारे में सुना था, लेकिन मैं कभी वहां नहीं गया था। फिर पिछले साल कुछ भयानक हुआ। मेरे अपने गांव के लोग पागल हो गए। दूर, बहुत दूर एक जगह पर जहां वे कभी नहीं गए थे, एक मंदिर या मस्जिद जलकर खाक हो गया था और वे पागल हो गए। उन्होंने आपस में लड़ना शुरू कर दिया। कुछ को बीच रात में ही भागना पड़ा। और सुबह तीन बजे, जब मैं अपने घर में लेटा हुआ था, नफरत और हिंसा की आवाजों से आधा जगा हुआ था, वहां आग लग गई। कई घर आग में जलकर खाक हो गए। उनमें से एक मेरा था।

I managed to grab a few clothes, some coins, my little Ganesh statue, and I ran! I ran for a day and a night, resting whenever my legs would not carry me any further. I jumped on to a train, then on a bus. No tickets. Never mind,

9

What Happened to the Reptiles

Supplementary

(English to Hindi Translation)

everyone seemed to be running. Finally, I found myself in Pambupatti, and I saw some villagers gathered near a well. I ran to them, and before I could say a thing, I fainted.

मैं कुछ कपड़े, कुछ सिक्के, मेरी गणेश की छोटी प्रतिमा को उठाने में कामयाब रहा, और मैं भाग गया! मैं एक दिन और एक रात के लिए दौड़ा, बीच-बीच में जब भी मेरे पैर थक जाते, मैं आराम करता। मैं एक ट्रेन पर चढ़ गया, फिर एक बस पर। बिना टिकट लिए। कोई परवाह नहीं, हर कोई दौड़ता लग रहा था। अंत में, मैंने अपने आप को पाम्बूपट्टी में पाया, और मैंने देखा कि कुछ ग्रामीण एक कुएं के पास इकट्ठा हुए थे। मैं उनके पास दौड़ कर गया और इससे पहले कि मैं कोई बात कह पाता, मैं बेहोश हो गया।

When I opened my eyes, I saw an old man with white hair, white beard and shining black eyes bending over me. For the next few days, he looked after me, putting food in my mouth and bringing me sweet, cool water from the stream. He rubbed my feet gently and made the pain go away. Neighbours, strangers — everyone came to visit me.

जब मैंने अपनी आँखें खोली, तो मैंने एक बूढ़े आदमी को देखा जिसके सफेद बाल, सफेद दाढ़ी और चमकती काली आंखें थी मेरे ऊपर झुका हुआ था। अगले कुछ दिनों के लिए उसने मेरी देखभाल की, मुझे अपने हाथ से खाना खिलाया और मेरे लिए झरने से मीठा, ठंडा पानी लाया। उसने मेरे पैर धीरे से रगड़े और दर्द दूर कर दिया। पड़ोसी अजनबी—हर कोई मुझसे मिलने आया था।

“Tell me, Grandfather”, I said to him one day. “I have never seen people like the villagers here! In my village, people fight with those who pray to another god. But here ... this seems a very strange place!”

मैंने एक दिन उससे कहा, ‘मुझे बताओ, दादाजी’, ‘मैंने कभी यहां के ग्रामीणों जैसे लोगों को नहीं देखा! मेरे गांव में, लोग उन लोगों के साथ लड़ते हैं जो दूसरे भगवान की प्रार्थना करते हैं। लेकिन यहाँ ... यह एक बहुत अजीब जगह लगती है!’

“Prem,” replied the old man, “I will tell you the story of Pambupatti. You can take this story back to your village. Maybe it will heal some of its wounds, and dry some of its sores.”

बूढ़े आदमी ने जवाब दिया, ‘प्रेम’ ‘मैं तुम्हें पाम्बूपट्टी की कहानी बताऊंगा। तुम इस कहानी को वापस अपने गांव ले जा सकते हो। शायद यह उसके कुछ घावों को ठीक कर देगी, और इसके कुछ घावों को सुखा देगी।’

“Oh, Grandfather,” I said anxiously, “don’t say that. What I have seen in my village makes me burn with shame. I never, never want to go back there.”

मैंने उत्सुकता से कहा, ‘ओह, दादा जी,’ ‘यह मत कहो। मैंने जो अपने गांव में देखा है वह मुझे शर्म से जला देता है। मैं कभी नहीं, वहां कभी वापस नहीं जाना चाहता।

9

What Happened to the Reptiles

Supplementary

(English to Hindi Translation)

"But that's exactly why you must go back," he said, in a soft voice. I kept quiet. I didn't want to argue with him, and I wanted to hear his story.

उन्होंने एक नरम आवाज में कहा, 'लेकिन यही बात है कि तुम्हें क्यों वापस जाना चाहिए,' मैं चुप रहा। मैं उसके साथ बहस नहीं करना चाहता था, और मैं उसकी कहानी सुनना चाहता था।

Very, very long ago, there were no animals in Pambupatti, only reptiles. They had a meeting every month. Their leader, Makara, would chair the meeting. Misusing his power, Makara ordered the tortoises and snakes to leave the forest.

बहुत, बहुत पहले, पाम्बूपट्टी में कोई जानवर नहीं थे, केवल सरीसृप थे।
उनकी हर महीने एक बैठक होती थी। उनके नेता, मकर, बैठक की अध्यक्षता करते थे।
अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए, मकर ने कछुओं और सांपों को जंगल छोड़ने का आदेश दिया।

It happened a long, long time ago, he began. So long ago that there were no schools and no teachers. Children lived in caves with their parents and helped them to collect fruit and berries from the forest. At that time, there were no tigers or panthers or elephants in Pambupatti forest. There were only reptiles, many kinds of reptiles. Now you know what reptiles are. Snakes, crocodiles, turtles, lizards. And you know that a reptile has scales on its body and it lays eggs. Every month, the reptiles of Pambupatti had a big meeting. Everyone came — the pretty excited snakes, the slow thoughtful tortoises, the clever quick lizards, and the moody crocodiles, grumpy because they were out of water. The president of these meetings was Makara, the biggest crocodile of the forest. All the animals thought he was very important. When someone is strong and powerful, you know, it is difficult not to go along with what he says or does.

उन्होंने कहना शुरू किया, यह एक लंबे, बहुत लंबे समय पहले हुआ। इतने समय पहले कि तब न स्कूल थे और न ही शिक्षक। बच्चे अपने माता-पिता के साथ गुफाओं में रहते थे और जंगल से फल और जामुन इकट्ठा करने में उनकी मदद करते थे। उस समय पाम्बूपट्टी जंगल में बाघ या पैंथर या हाथी नहीं थे। केवल सरीसृप थे, कई प्रकार के सरीसृप थे। अब आप जानते हैं कि सरीसृप क्या हैं। सांप, मगरमच्छ, कछुए, छिपकली। और आप जानते हैं कि एक सरीसृप के शरीर पर रेखाएं होती हैं और यह अंडे देता है। हर महीने पाम्बूपट्टी के सरीसृपों की बड़ी बैठक होती थी। हर कोई आया—बहुत उत्साहित सांप, धीमी गति से विचारशील कछुए, चतुर तेज छिपकली, और मूड़ी मगरमच्छ, क्रोधी क्योंकि वे पानी से बाहर थे। इन सभाओं का अध्यक्ष मकर था, जो जंगल का सबसे बड़ा मगरमच्छ था। सभी जानवरों को लगा कि वह बहुत महत्वपूर्ण है। जब कोई मजबूत और शक्तिशाली होता है, तो आप जानते हैं, वह जो कहता है या करता है, उसके अनुसार नहीं चलना मुश्किल होता है।

9

What Happened to the Reptiles

Supplementary

(English to Hindi Translation)

Now, one day, a strange thing happened. It was a week before one of the monthly meetings. Makara sent a letter to the tortoises, asking them not to come to the meeting. Ahistay, the big old star tortoise with black and yellow pictures on his shell, was very angry.

अब एक दिन एक अजीब बात हुई। यह मासिक बैठकों से एक सप्ताह पहले की बात है। मकरा ने कछुओं को पत्र भेजकर बैठक में नहीं आने को कहा। आहिस्ते नाम का विशाल बूढ़ा स्टार कछुआ जिसके खोल पर काले और पीले रंग की तस्वीरें थीं, बहुत गुस्से में था।

"What does this mean?" he shouted. "How dare they!" But not one of the tortoises had the courage to attend the meeting— they were so few, the others so many!

वह चिल्लाया, 'इसका क्या मतलब है?' 'उनकी हिम्मत कैसे हुई!' लेकिन कछुओं में से एक में भी बैठक में भाग लेने का साहस नहीं था—वे संख्या में इतने कम थे, दूसरे इतने सारे!

Before the meeting, the giant Makara polished his teeth with the red flowers of the tree by the river till they sparkled. Everyone was waiting for him at the meeting place.

बैठक से पहले विशाल मकर ने नदी किनारे के पेड़ के लाल फूलों से अपने दांत पॉलिश किए जब तक कि वे चमक नहीं गए। हर कोई बैठक स्थल पर उसका इंतजार कर रहा था।

"Brothers and sisters," he began. All the reptiles, even the beautiful king cobras, stopped talking. Makara continued his speech. "I have decided that we don't need the tortoises! I have told them not to come today. Brothers and sisters, can you tell me why we don't like the tortoises?"

उसने कहना शुरू किया, 'भाइयों और बहनों,' सभी सरीसृप, यहां तक कि सुंदर किंग कोबरा ने बात करना बंद कर दिया। मकर ने अपना भाषण जारी रखा। 'मैंने फैसला किया है कि हमें कछुओं की जरूरत नहीं है! मैंने उन्हें आज नहीं आने को कहा है। भाइयों और बहनों, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि हम कछुओं को क्यों पसंद नहीं करते?'

The reptiles looked this way and that. They felt very uncomfortable. The snakes hissed anxiously, the lizards wriggled their tails, the crocodiles opened their jaws even wider.

सरीसृप इधर-उधर देखने लगे। उन्हें बहुत असहज महसूस हुआ। सांप उत्सुकता से फुफकारा, छिपकलियों ने अपनी पूंछ हिलाई, मगरमच्छों ने अपने जबड़े और भी व्यापक खोले।

9

What Happened to the Reptiles

Supplementary

(English to Hindi Translation)

"But..." said one little lizard

"No BUTS!" shouted Makara. There was silence.

"I think..." said a baby crocodile.

एक छोटी छिपकली ने कहा, 'लेकिन...'

मकर चिल्लाया 'कोई लेकिन नहीं!' वहां सन्नाटा पसरा हुआ था।

एक बच्चे मगरमच्छ ने कहा 'मुझे लगता है...।'

"No I THINKS!" screamed Makara, so loudly that the fruit in the tree above him rained down. After that, no one had the courage to speak.

'कोई मैं सोचता हूँ, नहीं!' मकर इतनी जोर से चिल्लाया, कि उसके ऊपर पेड़ का फल नीचे गिर गया। उसके बाद, किसी के पास बोलने का साहस नहीं था।

Makara cleared his throat and showed a few more teeth. "Well," he said, "I will tell you why we don't like the tortoises. They are so slow! So stupid! They even carry their houses on their backs. Whoever heard of such a stupid thing? Now you lizards, you live in trees. Would you ever carry a TREE on your back? Would you?"

मकर ने अपना गला साफ किया और कुछ और दांत दिखाए। उसने कहा, 'ठीक है,' 'मैं आपको बताऊंगा कि हम कछुओं को क्यों पसंद नहीं करते। वे बहुत धीमे हैं! इतने बेवकूफ! यहां तक कि वे अपने घरों को भी अपनी पीठ पर ले जाते हैं। किसी ने भी ऐसी बेवकूफी भरी बात सुनी है? अब तुम छिपकलियों, तुम पेड़ों में रहती हो। क्या तुम कभी भी अपनी पीठ पर एक पेड़ को ले जाएंगी? क्या आप ऐसा करेंगी?'

Small, frightened voices answered together, "No, we wouldn't. But..."

"No BUTS! Now, listen. I have told the tortoises that they will have to move out of Pambupatti. When they go, we will have more of everything. More food, more water, more space. I want them out by tomorrow. But because they are such slowcoaches, I have given them one week. By next Tuesday we won't have a single tortoise left in this jungle!"

छोटी, भयभीत आवाजों ने एक साथ जवाब दिया, 'नहीं, हम नहीं। लेकिन...'

'कोई लेकिन नहीं! अब सुनो। मैंने कछुओं से कहा है कि उन्हें पम्बूपट्टी से बाहर जाना होगा। जब वे जाएंगे, हमारे पास सब कुछ अधिक होगा। अधिक भोजन, अधिक पानी, अधिक जगह। मैं उन्हें कल तक बाहर करना चाहता हूँ। लेकिन क्योंकि वे इस तरह से धीमा चलते हैं, मैंने उन्हें एक सप्ताह दिया है। अगले मंगलवार तक हमारे इस जंगल में एक भी कछुआ नहीं बचेगा!'

9

What Happened to the Reptiles

Supplementary

(English to Hindi Translation)

And by the following Tuesday, they were all gone. At first the animals were sad, but then they realised that what Makara had said was true. There was more food, more water, and more space for them! But soon, a strange smell began to fill the forest. It was the smell of rot — rotting fruit on the ground, rotting animals in the river. This was what the tortoises used to eat. And even Makara had to go about holding his nose with his big claws.

और अगले मंगलवार तक, वे सब चले गए थे। पहले जानवर उदास थे, लेकिन फिर उन्हें एहसास हुआ कि मकर ने जो कहा था वह सच था। वहां अधिक भोजन, अधिक पानी था, और उनके लिए और अधिक जगह! लेकिन जल्द ही, एक अजीब गंध जंगल में भरने लगी। यह सड़ांध की गंध थी—जमीन पर सड़ रहे फल की, नदी में सड़ रहे जानवर की। यह वही था जिसे कछुए खाते थे। और यहां तक कि मकर को भी अपने बड़े पंजे से अपनी नाक पकड़नी पड़ी।

A month passed by, and then the same thing happened all over again. But this time, it was the snakes. Makara wrote them one of his letters. They were to leave the forest and, since they could move fast, they had to go in a day!

एक महीना बीत गया, और फिर से हर जगह एक ही बात हुई। लेकिन इस बार यह सांप थे। मकर ने उन्हें अपना एक पत्र लिखा। उन्हें जंगल छोड़ कर जाना था, चूँकि वे तेजी से आगे बढ़ सकते थे, इसलिए उन्हें एक दिन में जाना था।

Naga, the head of the snakes, pleaded for more time, but Makara would not give in. At the meeting, he silenced the others — the lizards and crocodiles — with even louder shouts and threats. “Snakes are slimy,” he said, “and they make funny noises. Who wants such weird creatures around?” Again, no one dared to disagree with Makara, and so the snakes left.

सांपों के मुखिया, नाग, ने अधिक समय मांगा, लेकिन मकर ने नहीं दिया। बैठक में उसने जोर से चिल्लाकर और धमकियां देकर दूसरों—छिपकली और मगरमच्छ को चुप करा दिया। उसने कहा, ‘सांप घिनौने हैं,’ और वे अजीब शोर करते हैं। कौन अपने आस-पास इस तरह के अजीब जीव चाहता है?’ फिर से, किसी की भी मकर से असहमती की हिम्मत नहीं हुई, और इसलिए सांप चले गए।

For a while, the animals of the forest were happy because they had been a little afraid of the snakes. You never knew when one of them might lose his temper and spit some venom at you! And it took only a little poison to kill you, after all.

कुछ देर के लिए जंगल के जानवर खुश थे क्योंकि उन्हें सांपों से थोड़ा डर लगता था। तुम्हें कभी नहीं पता था कि उनमें से कौन अपना आपा खो दे और आप पर कुछ विष थूक दे! और अंततः, आप को मारने के लिए केवल थोड़े से जहर की जरूरत है।

The lizards were also ordered to leave, and the whole forest now belonged to Makara and his group.

छिपकलियों को भी छोड़ने का आदेश दिया गया था, और अब पूरा जंगल मकर और उनके समूह का था।

9

What Happened to the Reptiles

Supplementary

(English to Hindi Translation)

The crocodiles faced unforeseen problems in the absence of their fellow reptiles. They soon realised that their happiness lay in their fellow creatures' happiness and homecoming.

मगरमच्छों को उनके साथी सरीसृपों के अभाव में अप्रत्याशित समस्याओं का सामना करना पड़ा।
उन्हें जल्द ही एहसास हुआ कि उनकी खुशी उनके साथी प्राणियों की खुशी और घर वापसी में है।

A few weeks passed and the animals of the forest looked tired and fed up. The RATS! Now that there were no snakes to eat them, the rats had taken over the forest. And they were having a wonderful time. They were everywhere, on the trees, in the grass, in the bushes, on the ground. They ate up the eggs of the lizards and crocodiles. There would be no babies that year. Makara's own nest of eggs had been chewed up.

कुछ सप्ताह बीत गए और जंगल के जानवर थके हुए और परेशान दिखाई दिए। चूहे! जिन्हें खाने के लिए अब जब कोई सांप नहीं थे, पूरे जंगल में बहुत चूहे हो गए। और उनका समय अच्छा बीत रहा था। वे हर जगह थे, पेड़ों पर, घास में, झाड़ियों में, जमीन पर। उन्होंने छिपकलियों और मगरमच्छों के अंडे खा लिए। उस साल कोई बच्चे नहीं हुए। मकर के अंडे का अपना घोंसला भी चबाया गया था।

Then Makara had a great idea. He called a meeting of the crocodiles and said, "Wouldn't it be wonderful if we, the crocodiles, could have the WHOLE jungle for ourselves? No one but us? These lizards, now, just look at them! They have the strangest habits, and some of them even change colour! How can we trust someone who is green one minute, red the next? Let's get rid of them."

तब मकर को बहुत अच्छा विचार आया। उन्होंने मगरमच्छों की बैठक बुलाई और कहा, क्या यह अद्भुत नहीं होगा अगर हम, मगरमच्छों, का अपने लिए पूरा जंगल हो सकता है? कोई नहीं केवल हम? ये छिपकली, अब, उन्हें देखो! उनकी सबसे अजीब आदतें हैं, और उनमें से कुछ रंग भी बदलती हैं! हम किसी ऐसे व्यक्ति पर कैसे भरोसा कर सकते हैं जो एक मिनट हरा है, अगले पल लाल है? चलो उनसे छुटकारा पाते हैं।

By now, the crocodiles were really scared of Makara. So they clapped and cheered. Makara was pleased. The lizards left the forest, some with their babies on their backs.

अब तक मगरमच्छ वाकई मकर से डरते थे। इसलिए उन्होंने ताली बजाई और खुशी का इजहार किया। मकर खुश हुआ। छिपकलियों ने जंगल छोड़ दिया, कुछ अपनी पीठ पर अपने बच्चों के साथ गईं।

But now, when life should have been wonderful for the crocodiles of Pambupatti, all kinds of awful things began to happen. To begin with, the rats grew bolder by the day. They became so fearless that they jumped and turned somersaults on the crocodiles' backs! And there were too many frogs. They seemed to be growing larger, and there

9

What Happened to the Reptiles

Supplementary

(English to Hindi Translation)

was no one to eat them but the crocodiles. These huge frogs began to eat the baby crocodiles. And the insects! Now that the lizards were gone, there were millions of them, growing bigger and nastier by the day.

लेकिन अब, जब पाम्बूपट्टी के मगरमच्छों के लिए जीवन अद्भुत होना चाहिए था, सभी प्रकार की भयानक चीजें होनी शुरू हो गईं। शुरू करने के लिए, दिन प्रतिदिन चूहों में डर समाप्त होता गया। वे इतना निडर हो गए कि वे मगरमच्छों की पीठ पर कूदने लगे और कलाबाजी करने लगे! और वहां बहुत सारे मेंढक भी थे। वे बड़े होते प्रतीत हो रहे थे, और उन्हें खाने के लिए केवल मगरमच्छ थे। इन विशाल मेंढकों ने मगरमच्छों के बच्चों को खाना शुरू कर दिया। और कीड़े! अब जब कि छिपकलियां चली गई थीं, उनकी संख्या लाखों में हो गई थी, जो रोज बढ़ रही थी और गंभीर होती जा रही थी।

It was a terrible time for the crocodiles. They couldn't understand what had happened to their happy forest home. Then one day, a squeaky little voice piped up at one of their meetings, "We know why the forest has gone crazy, don't we?"

यह मगरमच्छों के लिए एक भयानक समय था। वे समझ नहीं सके कि उनके खुशनुमा जंगल घर के साथ क्या हुआ था। फिर एक दिन, उनकी बैठकों में से एक में एक चीख़भरी छोटी आवाज सुनाई दी, 'हम जानते हैं कि क्यों जंगल पागल हो गया है, क्या हम नहीं जानते?'

Suddenly everyone was silent. They looked at Makara fearfully, but to their surprise, he looked nervous. He shook a rat off his tail and asked the small crocodile. "Why, little fellow?"

"It all began with the tort—"

अचानक सब चुप हो गए। उन्होंने मकर की ओर भयभीत होकर देखा, लेकिन उनके आश्चर्य के लिए वह परेशान नजर आया। उसने अपनी पूंछ से एक चूहे को हटाया और छोटे मगरमच्छ से पूछा। 'क्यों, छोटे बंदे?'

'यह सब अन्याय के साथ शुरू हुआ—'

"Okay, okay", said Makara. "There's no need to talk so much." Makara didn't want to admit he was wrong, but it didn't matter. All the crocodiles knew now that he was not all that strong or powerful. Or always right. They sent urgent messages all over the place for the tortoises, snakes and lizards to come back to Pambupatti. And what a great day it was when these creatures came back, family after family, with their little ones on their backs or straggling behind, shouting at their parents to wait for them!

मकर ने कहा, ठीक है, ठीक है। 'इतना कुछ बोलने की जरूरत नहीं है। मकर स्वीकार नहीं करना चाहता था कि वह गलत था, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। सभी मगरमच्छ अब जानते थे कि वह इतना मजबूत या शक्तिशाली नहीं था। या हमेशा सही। उन्होंने कछुओं, सांपों और

9

What Happened to the Reptiles

Supplementary

(English to Hindi Translation)

छिपकलियों को पाम्बूपट्टी वापस आने के लिए सभी जगह तत्काल संदेश भेजे। और वह एक महान दिन था जब ये प्राणी वापस आए, एक के बाद एक परिवार आए, जिनकी पीठ पर उनके छोटे बच्चे थे या, अपने माता पिता पर उनके लिए इंतजार करने के लिए पीछे चिल्लाते हुए भाग रहे थे!

In two months, the forest was back to normal. The rats disappeared, and the insects, and the smell, and the world finally went back to its familiar old self.

“Well, Prem,” said the old man, “have you fallen asleep? Did my story send you off to dreamland?”

दो माह में जंगल सामान्य हो गया। चूहे, कीड़े, और गंध गायब हो गए, और दुनिया अंततः अपने परिचित पुराने स्वरूप में वापस आ गई।

बूढ़े आदमी ने कहा, ‘ठीक है, प्रेम,’ ‘क्या तुम सो गए हो? क्या मेरी कहानी ने आपको सपनों के संसार में भेज दिया?’

I shook my head. “No, Grandfather, I was just thinking. Maybe it’s time I went back to my own village, because I have a story to tell them. But what if they don’t listen to me?”

मैंने अपना सिर हिला दिया। ‘नहीं, दादाजी, मैं सिर्फ सोच रहा था। शायद इसी समय मैं अपने ही गांव में वापस चला जाऊं, क्योंकि मेरे पास उन्हें बताने के लिए एक कहानी है। लेकिन क्या होगा अगर वे मेरी बात नहीं सुनेंगे?’

“We can only keep at it, my son — tell these stories again and again, to more and more people. Some of them may laugh at you or say your stories are not true. But they may remember them one day, and understand that each of us has a place in this strange, funny world of ours.”

‘हम केवल प्रयास कर सकते हैं, मेरे बेटे—इन कहानियों को बार-बार बताओ, अधिक से अधिक लोगों को बताओ। उनमें से कुछ तुम पर हंस सकते हैं या कह सकते हैं कि तुम्हारी कहानियां सच्ची नहीं हैं। लेकिन वे उन्हें एक दिन याद कर सकते हैं, और समझेंगे कि हमारी इस अजीब, हास्यास्पद दुनिया में हम में से प्रत्येक की एक जगह हो।

ZAI WHITAKER

ज़ाई व्हाईटेकर